1938C A note in support of the protest at Mahgaon

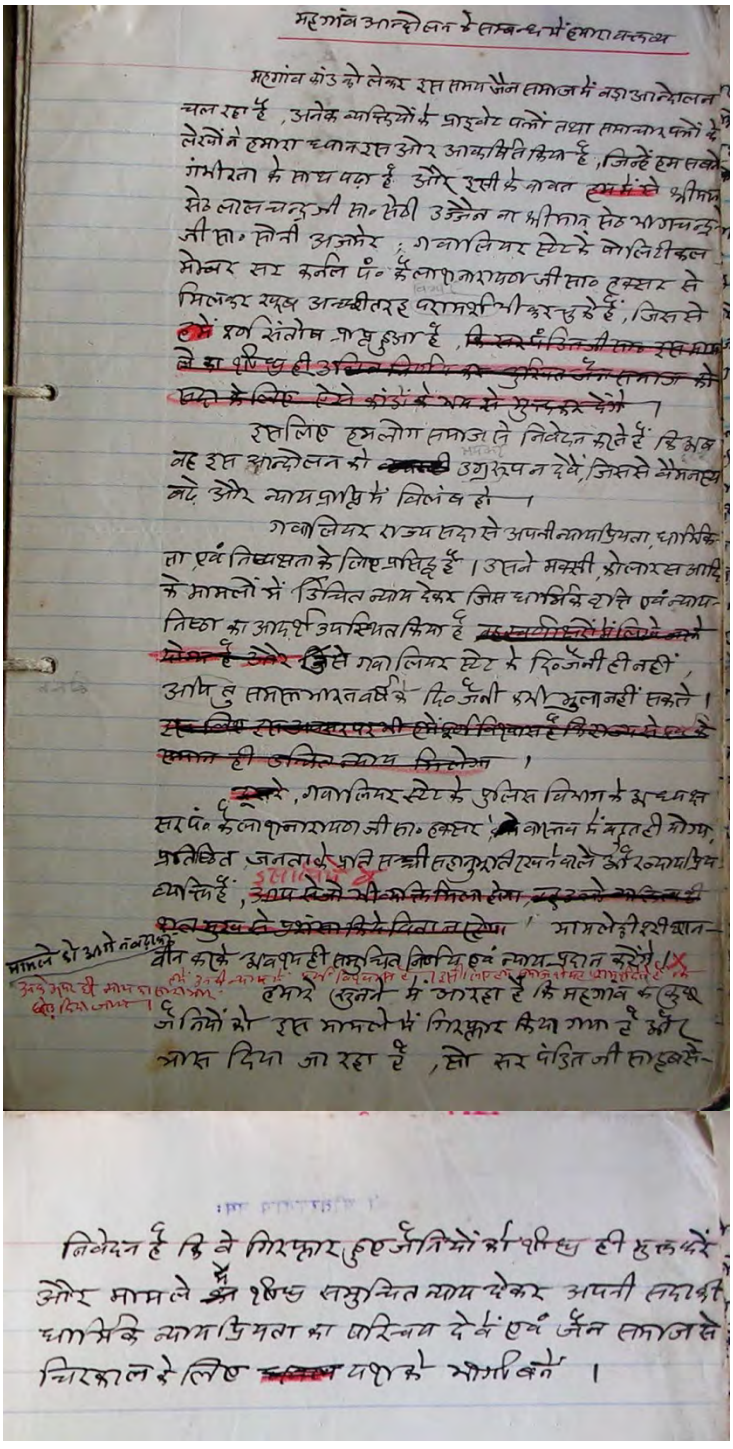

महगांव आन्दोलन के सम्बन्ध में हमारा वक्तव्य

महगांव कांड को लेकर इस समय जैन समाज में बड़ा आन्दोलन चल रहा है, अनेक व्यक्तियों के प्राइवेट पत्रों तथा समाचार पत्रों के लेखों ने हमारा ध्यान इस ओर आकर्षित किया है, जिन्हें हम सबने गंभीरता के साथ पढ़ा है और इसी के बाबत ~~हम में से~~ श्रीमान सेठ लालचन्द जी सा॰ सेठी उज्जैन व श्रीमान सेठ भागचन्द जी सा॰ सोनी अजमेर, ग्वालियर स्टेट के पोलिटीकल मेम्बर सर कर्नल पं॰ कैलाशनारायण जी सा॰ हक्सार से मिलकर स्पष्ट अच्छी तरह परामर्श भी कर चुके हैं, जिससे ~~हमें~~ पूर्ण संतोष प्राप्त हुआ है, ~~कि सर पंडित जी सा॰ इस मामले का शीघ्र ही उचित निर्णय कर दुखित जैन समाज को [illegible] के लिए ऐसे कांडों के भय से मुक्त कर देंगे~~ ।

इसलिए हम लोग समाज से निवेदन करते हैं कि अब वह इस आन्दोलन को ~~[illegible]~~ उग्ररूप न देवें, जिससे वैमनस्य बढ़े और न्याय प्राप्ति में विलंब हो ।

ग्वालियर राज्य सदा से अपनी न्यायप्रियता, धार्मिकता एवं निष्पक्षता के लिए प्रसिद्ध है । उसने मक्सी, कोलारस आदि के मामलों में उचित न्याय देकर जिस धार्मिक वृत्ति एवं न्याय-निष्ठा का आदर्श उपस्थित किया है ~~[illegible] है और~~ जिसे ग्वालियर स्टेट के दि॰ जैनी ही नहीं, अपितु समस्त भारतवर्ष के दि॰ जैनी कभी भुला नहीं सकते । ~~इसलिए इस अवसर पर भी हमें पूर्ण विश्वास है कि [illegible] के समान ही उचित न्याय मिलेगा~~ ।

~~दूसरे~~, ग्वालियर स्टेट के पुलिस विभाग के अध्यक्ष सर पं॰ कैलाशनारायण जी सा॰ हक्सार, ~~जो~~ वास्तव में बहुत ही योग्य, प्रतिष्ठित, जनता के प्रति सच्ची सहानुभूति रखने वाले और न्यायप्रिय व्यक्ति हैं, इसलिए ~~आप [illegible] [illegible] मिला होगा, [illegible] [illegible] प्रशंसा किये बिना न रहेगा~~ मामले की इसी छानबीन करके अवश्य ही समुचित निर्णय एवं न्याय प्रदान करेंगे ।

मामले की आते तबड़ाकर
अवश्य ही न्याय का [illegible] पेश किया जाय ।

हमारे सुनने में आ रहा है कि महगांव के कुछ जैनियों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है और त्रास दिया जा रहा है, सो सर पंडित जी साहब से निवेदन है कि वे गिरफ्तार हुए जैनियों को शीघ्र ही मुक्त करें और मामले में शीघ्र समुचित न्याय देकर अपनी सदा की धार्मिक न्यायप्रियता का परिचय देवें एवं जैन समाज से चिरकाल के लिए ~~[illegible]~~ यश के भागी बनें ।